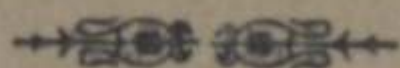


# कीर्तन ध्वनि

—\* : ० : \*—

१००० कीर्तन ध्वनि मनीठी की  
सत्संगनों ने धर्मार्थ वितरणार्थ छपवाई



मुद्रक तथा प्रकाशक

भूमानन्द ब्रह्मचारी "भक्ति प्रेस"

श्रीभगवद्भक्ति आश्रम, रामपुरा, रेवाड़ी ।

॥ ओ३म् ॥

१

गणपति दुर्गा रवि विष्णु शिव ॥

२

अल्ला अक्का अम्बा देवी ।  
परमानन्द लहैं तेरी सेवी ॥

३

वाहि गुरुजी वाहि गुरुजी,  
वे अन्त वे परवाह गुरुजी ।  
दीन दयाल कृपाल गुरुजी,  
भगतन के रछपाल गुरुजी ॥



४

वं वं वं महादेव सदाशिव ।

हर हर हर महादेव सदाशिव ॥

५

गौरी शंकर जयशिव जयशिव ।

जयशिव जयशिव जयशिव जयशिव ॥

६

अलख अपार अनाम अगोचर ।

ज्योति स्वरूप अकाल पुरुष हर ।

७

सत्य नाम सोऽहं दुःख भञ्जन ।

रंकार ओंकार निरञ्जन ॥

४

८

नारायण चरणी नमो नमो नित ।

६

राधा रमण हरि गोविन्द जय जय ।  
गोविन्द जयजय गोपाल जयजय ॥

१०

राधाकृष्ण भज कुञ्ज विहारी ।  
मुरलीधर गोवर्धन धारी ॥

११

शंख चक्र पीताम्बर धारी ।  
करुणा सागर कृष्ण मुरारी ॥



५

१२

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ।  
हरेकृष्ण हरेकृष्ण कृष्णकृष्ण हरे हरे ॥

१३

गौरी शंकर सीताराम ।  
राधे श्याम श्यामा श्याम ॥

१४

बोल हरि बोल हरि हरि बोल ।  
गोविन्द माधव मुकुन्द बोल ॥

१५

राधे राधे गोविन्द बोलोरे ॥

६

१६

गोपी प्रिय गोपीनाथ ।

गोपी जन वल्लभ ॥

१७

जय नारायण जय गोविन्द हरे ।

जय नारायण जय गोपाल हरे ॥

१८

जय राधे जय राधे जय राधे ॥

१९

श्रीकृष्ण चैतन्य प्रभु नित्यानन्द ।

हरे कृष्ण हरे राम राधे गोविन्द ॥



७

२०

नारायण हरि ओं ओं ।  
ओं ओं ओं ओं ओं ओं ॥

२१

नित्य ही बोलो राघे श्याम ।  
हरे कृष्ण हरे राम ॥

२२

रघुपति राघव राजा राम ।  
पतित पावन सीताराम ॥

२३

जय रघुनन्दन जय सिया राम ।  
जानकी बल्लभ सीताराम ॥

॥

२४

अच्युतं केशवं राम नारायणम् ।  
कृष्ण दामादरं वासुदेवं हरिम् ॥

२५

श्रीधरं माधवं गोपिका वल्लभम् ।  
जानकी नायकं रामचन्द्रं भजे ॥

२६

केशव कृष्ण गोविन्द मुकुन्द ।  
घट घट व्यापक आनन्द कन्द ॥

२७

गोविन्द गोविन्द हरे मुरारे ।  
हर शिव शंकर भव त्रिपुरारे ॥